बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता अभियान

तिमाही तत्परता कार्यक्रम के

बुनियादी संख्यात्मकता कार्यपत्रक

(दूसरी कक्षा के लिए)

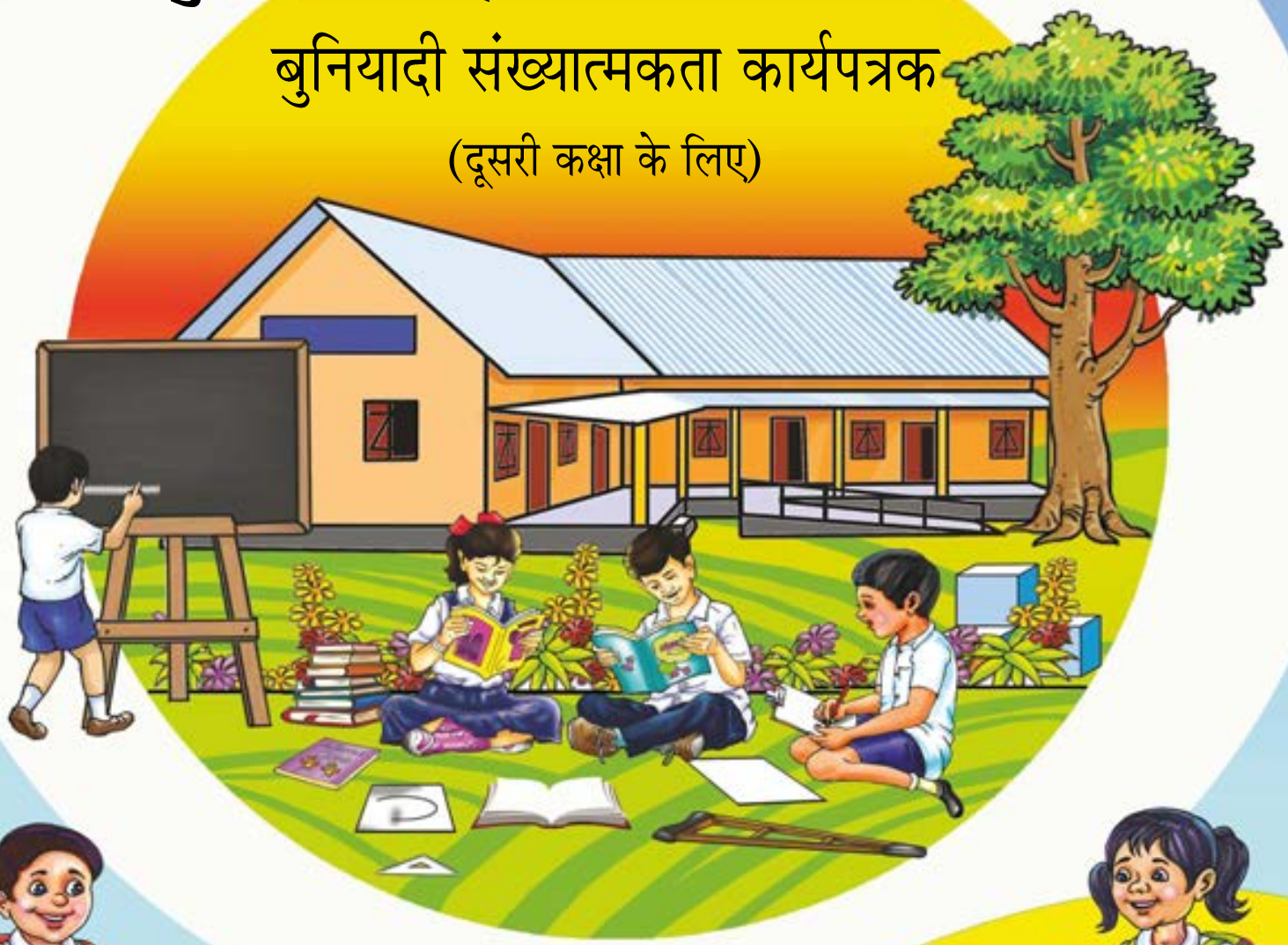

प्रस्तुतकर्ता

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, असम

काहिलीपारा, गुवाहाटी- 781019

(समग्र शिक्षा, असम की सहायता से)

KARYAPATRAK : Worksheets for three months readiness programme for Numeracy of Class-2 in Hindi Language, developed and reviewed by SCERT, Assam through workshop mode.

ALL RIGHT RESERVED : No reproduction in any form of this book, in whole or in part (except for brief quotation in critical articles, reviews or research papers) may be made without written authorization from the SCERT, Assam

सर्वाधिकार : राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, असम

प्रथम प्रकाशन : 2022

प्रकाशक :

मुद्रक :

तिमाही तप्तरता कार्यक्रम के

बुनियादी संख्यात्मकता कार्यपत्रक

(दूसरी कक्षा के लिए)

विद्यार्थी का नाम	: .....
विद्यालय का नाम	: .....
अनुक्रमांक	: .....
शैक्षणिक वर्ष	: .....

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, असम

काहिलीपारा, गुवाहाटी - 781019

आमुख

नई शिक्षा नीति, 2020 ने बुनियादी चरण में साक्षरता और गणना–कौशलों के विकास हेतु एक राष्ट्रीय अभियान की सिफारिश की है। इसके परिणामस्वरूप भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के द्वारा 5 जुलाई, 2021 को "निपुण भारत" अभियान की घोषणा की गई। इस अभियान के अनुरूप असम सरकार ने राज्य में 16 नवंबर, 2021 को "निपुण असम" नामक एक अभियान का प्रारंभ किया। इस अभियान का लक्षण है – पूर्व प्राथमिक चरण से तीसरी कक्षा तक के बच्चों को निर्धारित अधिगम परिणामों की प्राप्ति के लिए सक्षम बनाना।

किंतु कोविड–19 महामारी के चलते परिस्थितिवश हमारे विद्यालयों में नियमित पाठदान में बाधा उत्पन्न हुई थी। यद्यपि सरकार ने समय–समय पर नियमितता बरकरार रखने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। जैसे–DIKSHA के जरिए विभिन्न विषयवस्तुओं को आपलोड किया गया, दूरदर्शन और रेडियो माध्यम के जरिए विभिन्न विषयों का पाठदान किया गया। साथ ही विद्यालयों को ऑनलाइन के जरिए कक्षाएँ चलाने का निर्देश दिया गया। तथापि आवश्यक सामग्री और नेटवर्क की कमी के कारण अधिकांश बच्चों को इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाया। ऐसी स्थिति में अनेक बच्चों को निर्धारित अधिगम परिणामों की प्राप्ति कें बाधाओं का सामना करना पड़ा। बच्चों के इस अधूरे अधिगम को पाटने के उद्देश्य से दूसरी और तीसरी कक्षाओं के लिए "तत्परता कार्यक्रम" चलाया जा रहा है। दूसरी कक्षा के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम में पहली कक्षा में प्राप्त करनेवाले मुख्य अधिगम परिणामों के आधार पर और तीसरी कक्षा के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम में पहली और दूसरी कक्षाओं में प्राप्त करने वाले मुख्य अधिगम परिणामों के आधार पर गणना–कौशलों से समृद्ध क्रियाकलापों के जरिए इस "प्रस्तुति संभार" नामक कार्यपत्रकों की प्रस्तुति की गई है।

इस संभार में सन्निविष्ट विषयवस्तुएँ, जैसे – संख्या की अवधारणा, संख्या का नाम, पैटर्न, नाप–तौल, द्विविमीय और त्रिविमीय आकृति आदि की जानकारी के लिए कई नमूने प्रस्तुत किए गए हैं। आशा है कि शिक्षक/ शिक्षिंकाएँ कार्यपत्रकों के साथ–साथ आवश्यकतानुसार अपनी तरफ से अधिकाछिक क्रियाकलापों का अभ्यास कराएँगे जिससे बच्चों के अधूरे अधिगम को पाटा जा सकेगा। शिक्षक /शिक्षिकाओं से अपेक्षा है कि वे कार्यपत्रकों का अभ्यास कराते समय बच्चों को समय–समय पर आवश्यक सुझाव एवं परामर्श देकर आभारी करें।

"निपुण असम" कार्यक्रम में मान निर्धारण एक विशेष महत्वपूर्ण पहलू है। इसलिए, 12 सप्ताह के प्रस्तुति संभार के क्रियाकलापों को सप्ताह के हिसाब से वितरण करके सप्ताह के पाँचवें दिन पर मान निर्धारण के लिए कुछ क्रियाकलाप शामिल किए गए हैं। शिक्षक /शिक्षिकाएँ मान निर्धारण के हर क्रियाकलाप को महत्व समझ–बूझकर बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उनके निर्धारित अधिगम परिणामों की प्राप्ति में सहयोग दें। माननिर्धारण के आधार पर शिक्षक/ शिक्षिकाएँ अवश्यकतानुसार छठे दिन पर निदानमूलक पाठदान की व्यवस्था करें। दूसरी ओर शिक्षक बच्चों के लिए उच्चस्तरीय अभ्यास की व्यवस्था करें।

उल्लेखनीय है कि यह संभार बुनियादी चरण के बच्चों के अधूरे अधिगम की पूर्ति कर उन्हें शिक्षण की मुख्य धारा में लाने का एक समग्र प्रयास है।

Nirada Devi

डॉ. निरदा देवी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, असम
काहिलीपारा, गुवाहाटी–19

शिक्षक के लिए अनुदेश

"निपुण असम" के आधार पर तीसरी कक्षा में प्रवेश करने वाले बच्चों के अधूरे अधिगम की पूर्ति के उद्देश्य से तिमाही कार्यपत्रक संभार प्रस्तुत किया गया है। इस कार्यपत्रक संभार में दिए गए क्रियाकलापों का अभ्यास कराते समय शिक्षक/शिक्षिकाएँ निम्नवत अनुदेशों का पालन करते हुए बच्चों को आगे बढ़ाएँ –

- तीसरी कक्षा के बच्चों के तिमाही तत्परता कार्यक्रम के लिए प्रस्तुत कार्यपत्रक निर्धारित है। तीन माह तक अभ्यास कराकर अधिगम परिणाम की प्राप्ति के पश्चात "निपुण असम" के मूल कार्यक्रम में सहभागिता लेना वांछित है।
- सबसे पहले क्रियाकलापों के प्रति आकर्षित करने के लिए बच्चों को स्नेह, प्यार देकर उनके साथ सहज हो लें।
- क्रियाकलाप के दौरान बच्चों के अधिगम की तैयारी के बाद कार्यपत्रकों में मौजूद क्रियाकलापों को अनुदेश के अनुसार अभ्यास कराएँ।
- बच्चों के विकासात्मक लक्ष्यों, अर्हताओं और अधिगम परिणामों को ध्यान में रखते हुए कार्यपत्रकों में दिए गए क्रियाकलापों के अनुरूप शिक्षक अपनी तरह से अन्य क्रियाकलाप कराएँ।
- संख्याज्ञान दिलाने से पहले कार्यपत्रकों में दिए गए गीत, कविता आदि के जरिए विषयवस्तु के प्रति बच्चों का ध्यानाकर्षण करें। इस प्रकार के क्रियाकलाप कराने के दौरान यह सुनिच्यित करें कि हर बच्चा संबंधित सभी क्रियाकलापों में सहभागिता निभाएँ।
- हर क्रियाकलाप के सटीक पूर्ण जानकारी होने के बाद अगले क्रियाकलाप की ओर बढ़ें।
- क्रियाकलाप कराने के दौरान शिक्षक श्यामपट का इस्तेमाल करें और साथ ही कम खर्चीले अथवा आस-पास की वस्तुओं के इस्तेमाल कराने का प्रयास करें ताकि हर बच्चा सुलभ चीजों के इस्तेमाल में सक्रिय भूमिका निभाते हुए निर्दिष्ट अर्हताएँ प्राप्त करने में सक्षम हों।
- बच्चों को प्रोत्साहन दें कि कार्यपत्रकों में मौजूद अधिगम परिणामों को प्राप्त करके बच्चे अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करें।
- हर सप्ताह के पाँचवें दिन पर बच्चों के लिए कार्यपत्रकों में मौजूद क्रियाकलापों के आधार पर मूल्यांकन करें। मूल्यांकन के माध्याम से अधिगम की कमी वाले बच्चों की पहचान करें और उस कमी की पूर्ति के लिए आवश्यक क्रियाकलाप कराएँ। जो बच्चा अधिगम परिणामों को प्राप्त करने में अक्षम हो, उसे और उच्च स्तरीय अभ्यास कराएँ।
- शिक्षक सभी आँकड़ों को रजिस्टर में लिपिबद्ध करें कि सप्ताह के अंत में कौन बच्चा क्या-क्या नई अर्हताएँ प्राप्त की हैं।

विशेष क्षमतावाले बच्चों के प्रति ध्यान देते हुए क्रियाकलाप कराने के दौरान उन्हें सहायता करें।

कक्षा आरंभ होने के दिन से ही बच्चों को शौचालय के सही इस्तेमाल का ज्ञान दें। इसके अलावा पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता प्रदर्शित करने हेतु कुछ अच्छी बातों को तस्वीर समेत केलेंडर की आकृति में बनाकर चिपकाएँ। जैसे – साफ पानी पीना, पानी की बर्बादी न करना, कूड़ा-करकट इधर-उधर न फेंककर निर्दिष्ट कूड़ेदान में डालना, बिना मतलब के पेड़ के पत्ते /फूल आदि न तोड़ना, खाने के पहले और खाने के बाद साबुन से हाथों को धोना, इस्तेमाल न किए जाने के दौरान बिजली, पंखे आदि को बंद करना आदि।

कार्यपत्रक- १ सप्ताह- १

आओ, पहचानें-

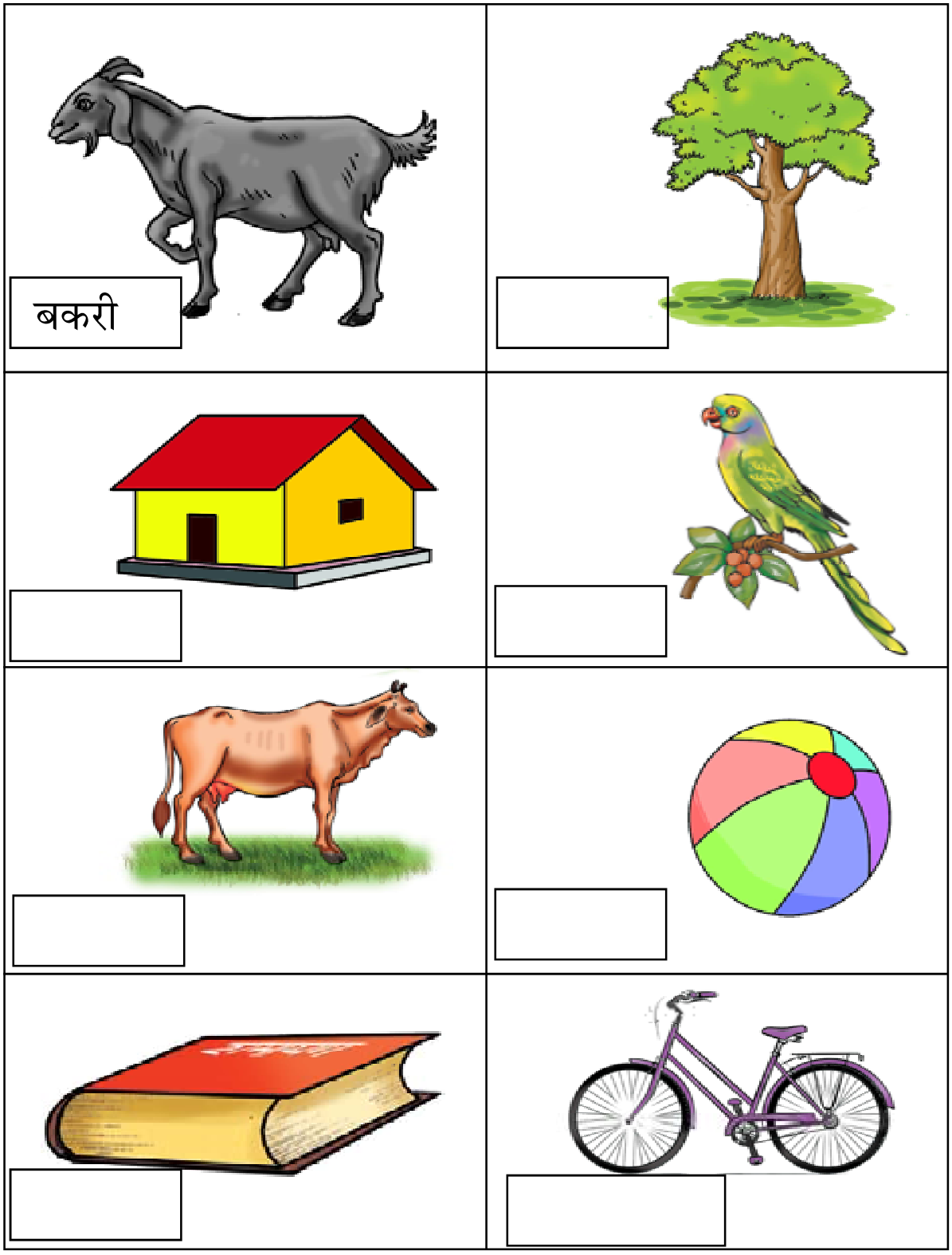

बकरी, पेड़, घर, चिड़िया, गाय, गेंद, किताब, साइकिल

शिक्षक के लिए अनुदेश- (1) शिक्षक हर बच्चे को चित्र निरीक्षण करने दें। (2) चित्र के को नाम ढूँदकर समीप के बॉक्स में बच्चों को लिखने दें। (3) शिक्षक बच्चों का समूह बनाकर हर चित्र के बारे में उन्हें चर्चा करने दें और कक्षा में प्रस्तुत करने को कहें। जैसे- गाय एक पालतू जानवर है। गाय के चार पैर होते हैं। गाय घास खाती है आदि।

आओ, पहचानें कौन क्या करता है-

शिक्षक के लिए अनुदेश- शिक्षक हर बच्चे को चित्र निरीक्षण करने दें और समूह बनाकर उनसे कक्षा में कामों के बारे में प्रस्तुत करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की शिक्षक मदद करें।

नीचे के दोनों चित्रों को भलीभांति देखकर तालिका में दर्शाए अनुसार मौजूद चीजों पर '✓' का निशान लगाओ।

चित्र-1

चित्र-2

चीजें	चित्र-1	चित्र-2
पेड़	✓	✓
फूल		
तितली		
सूरज		

शिक्षक के लिए अनुदेश- शिक्षक इसके अलावा बच्चों को दिखाई दिए अन्य चीजों को तालिका में जोड़ने के लिए दे सकते हैं।

नीचे के दोनों चित्रों को भलीभांति निरीक्षण करो। अब बताओ कि चित्र (3) में मौजूद कौन सी चीजें चित्र (4) में नहीं हैं।

चित्र-3

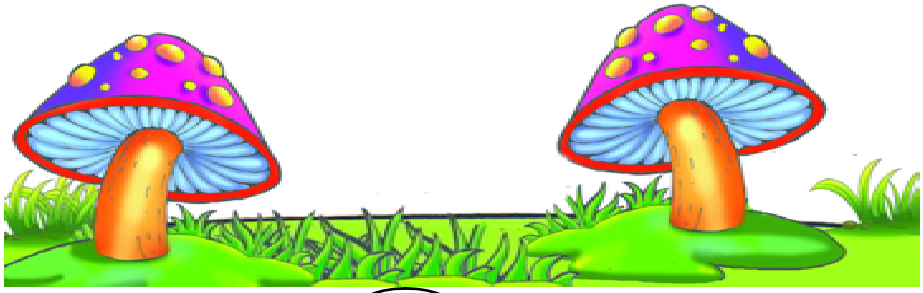

चित्र-4

ऊपर दिए गए चित्र को दिखाकर शिक्षक निम्न लिखित प्रश्नों के अनुसार विभिन्न प्रश्न पूछें-

(क) चित्र में कौन क्या कर रहा है, बताओ।

(ख) बच्ची कूड़ा-करकट कहाँ फेंक रही है, बताओ।

(ग) तुमलोग सबेरे विद्यालय के कमरे और परिसर साफ-सुथरा करके कूड़ा-करकट कहाँ पर फेंकते हो?

(घ) क्या पीने के पानी का नल खोलकर रखना चाहिए?

(ङ) क्या वर्षाजल संचय हेतु तुम्हारे विद्यालय में कोई व्यवस्था है? हम वर्षा जल संचय किस प्रकार कर सकते है, चर्चा करो।

1) चिड़िया के चित्र में रंग भरो।

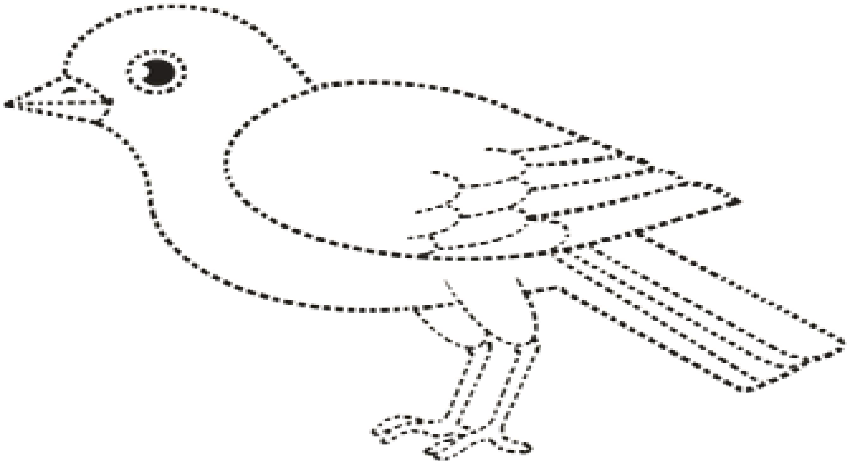

2) बताओ, दाएँ के चित्र में दिखे व्यक्ति क्या कर रहा है ? वह हमें किस प्रकार मदद करता है ?

3) क्या आपलोग गेंद खेलते है ? कौन कौन से खेल में गेंद का प्रयोग होता है चर्चा करें। गेंद का आकार कैसा होता है ?

4) नीचे दिए गए दोनों चित्रों को भलीभांति देखो और चित्रों में मेल दिखे चीजों के नाम बताओ।

आओ, मिलकर गाएँ-

तितली और कली

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली-गली।

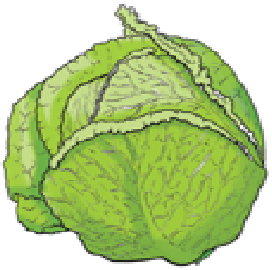

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

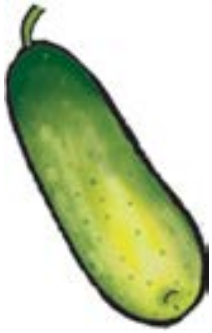

शिक्षक के लिए अनुदेश : शिक्षक कविता को पहले सवयं गाएँ, फिर बच्चों से साथ-साथ दोहराने को कहें। तितली, फूल, कली, चिड़िया, सुगंध आदि के बारे में बच्चों को बताएँ।

आओ, कौन सा बड़ा है उस पर ◯ का निशान लगाएँ-

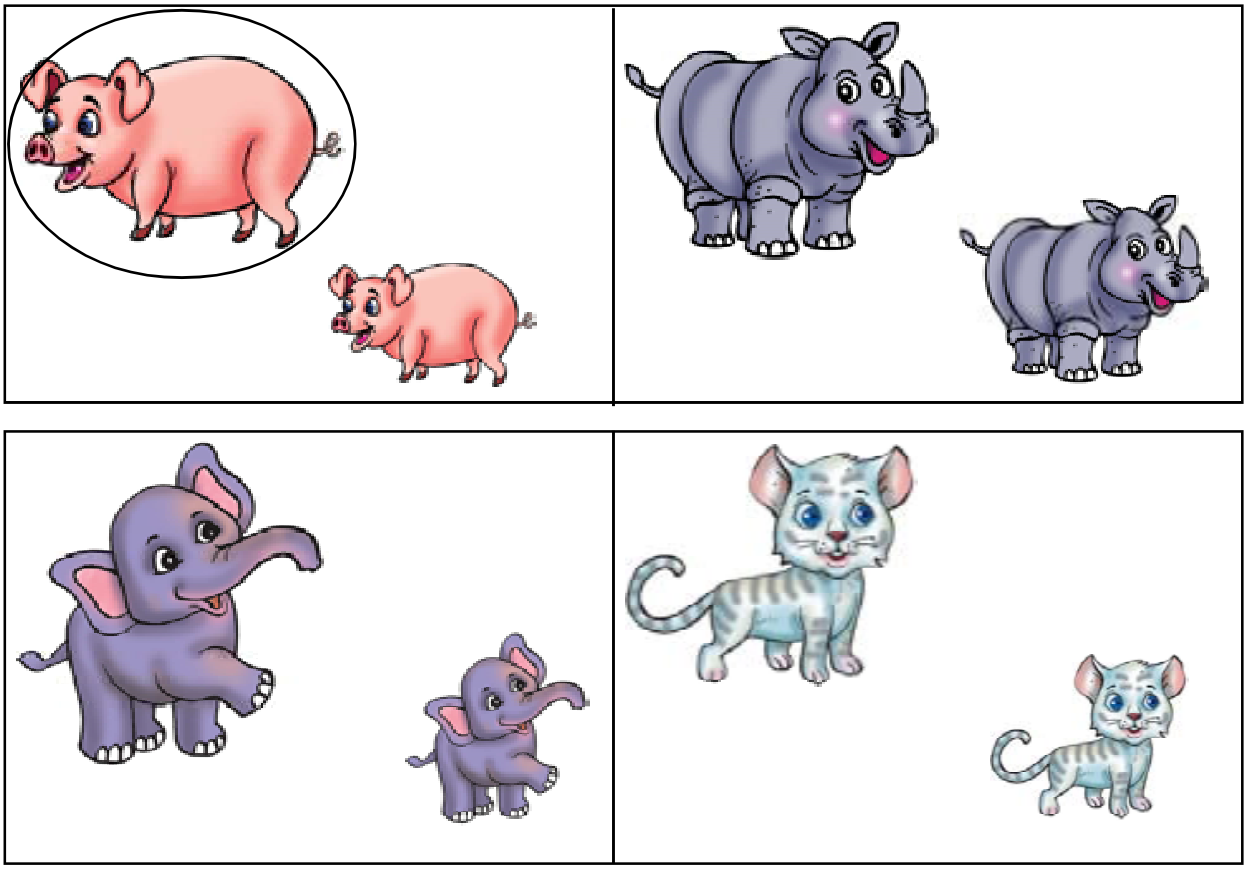

आओ, कौन सा छोटा है उस पर □ का निशान लगाएँ-

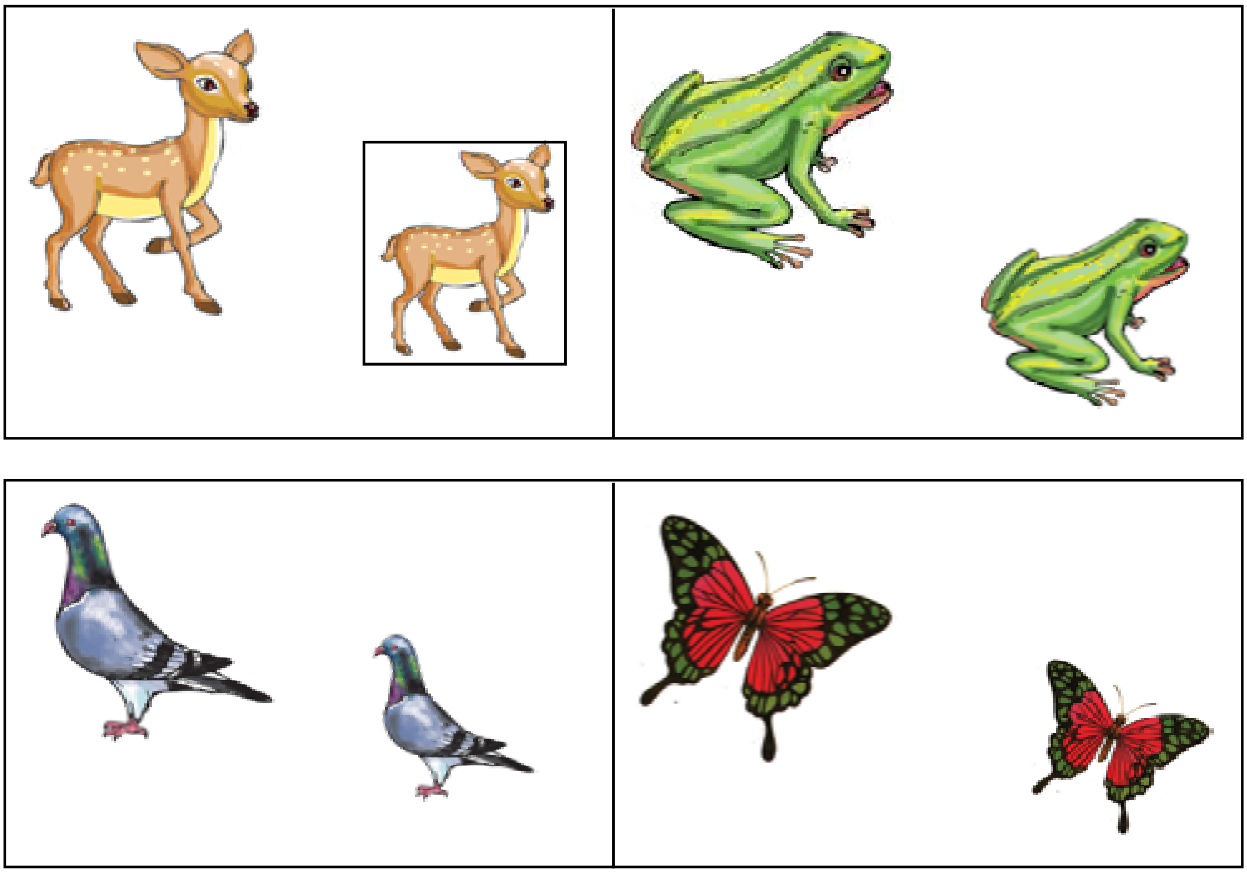

शिक्षक के लिए अनुदेश : शिक्षक बच्चों को चित्र दिखाकर प्रश्न में पूछे अनुसार लिखने को दें।

पेड़ पर क्या है ? नीचे क्या है ?

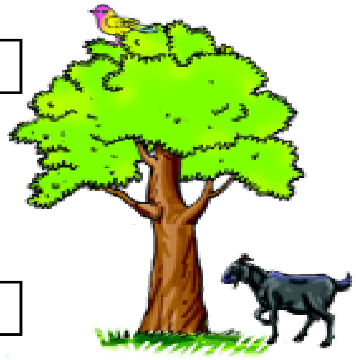

मेज पर क्या है ? नीचे क्या है ?

पेड़ के पास क्या है (✓) निशान लगाओ।
दूरी पर क्या है (×) निशान लगाओ।

घर के दूरी पर स्थित बकरी के चित्र में रंग भरो।

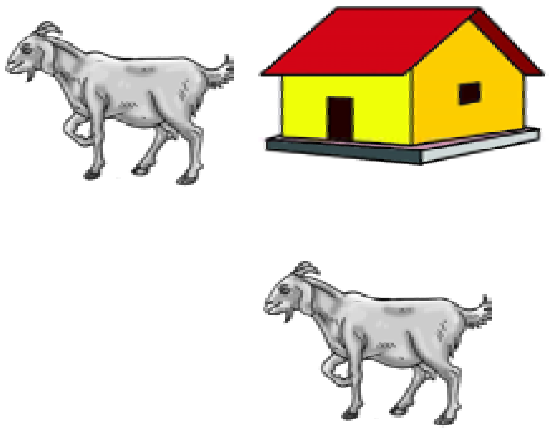

आगे क्या है ?

पीछे क्या है ?

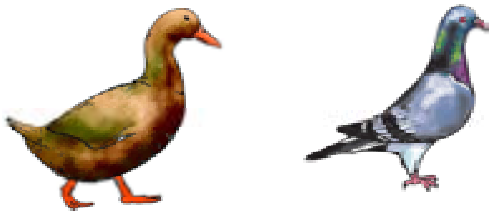

पिंजरे के भीतर की चिड़िया पर (✓) चिह्न लगाओ।

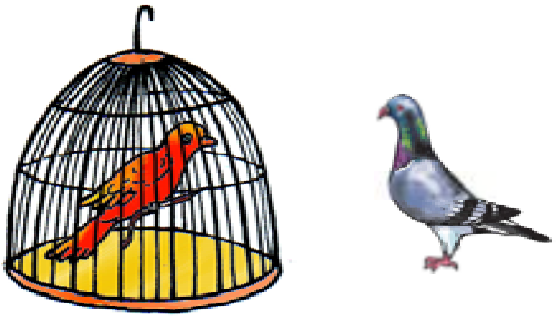

गाड़ी के बाहर खड़ी लड़की के चित्र पर (✓) चिह्न लगाओ।

आओ, लंबे पेड़ पर (✓) चिह्न लगाएँ।

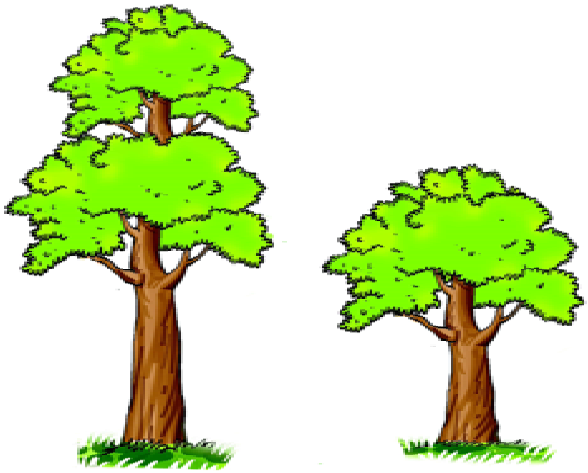

आओ, छोटे लड़के के चित्र पर (✓) चिह्न लगाएँ।

आओ, भारी पर (✓) चिह्न लगाएँ।

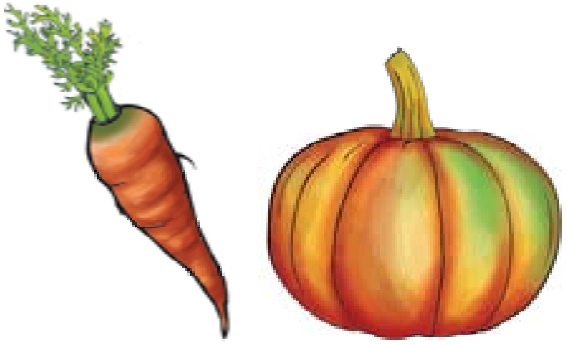

आओ, हल्के पर (✓) चिह्न लगाएँ।

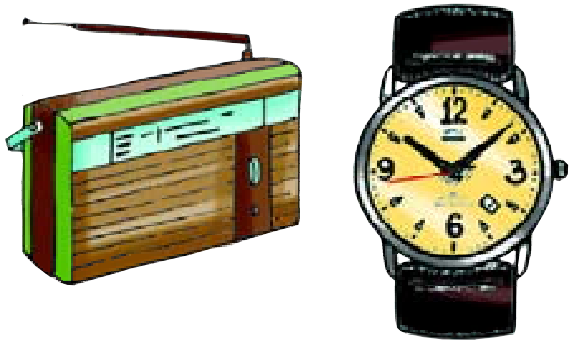

शिक्षक के लिए अनुदेश : शिक्षक-शिक्षिकाएँ वास्तविक चीजों से बच्चों को बड़ा-छोटा, ऊपर-नीचे, भीतर-बाहर, पास-दूर, लंबा-छोटा आदि की अवधारणा सुदृढ़ करें।